ये अव्यक्त इशारे

# अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

***1-11-2022***

आप सभी बच्चों का यह ब्राह्मण जन्म मरजीवा जन्म है। मरजीवा बनना अर्थात् अपनी देह से, मित्र सम्बन्धियों से, पुरानी दुनिया से मर जाना। जैसे कोई मर जाता है तो पिछले संस्कार खत्म हो जाते हैं। तो यहाँ भी पिछले पुराने संस्कार ऐसे लगने चाहिए जैसे और कोई के थे, हमारे नहीं। जैसे ब्राह्मण गन्दी चीज़ को नहीं छूते हैं वैसे पुराने संस्कारों से बचना है। छूना नहीं है।

# Now transform the old nature and old sanskars.

This life of all of you Brahmins is one of dying alive. To die alive means to be dead to your body, your friends and relatives and the old world. When someone dies, his previous sanskars are finished. So, here too, you should feel that your previous old sanskars belonged to someone else, not to you. Just as Brahmins don't touch dirty things, in the same way, you have to save yourself from the old sanskars and not touch them.